रजिस्टर के मुताबिक उन के आरक्षण के कोटे को पूरा किया गया है ?

श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा : मुझे यह कहते हुए खेद है कि इस में आरक्षण का जो कोटा है वह कई वर्षों से पूरा नहीं हुआ है । इस लिए विभिन्न श्रेणियों के लोगों को जहां तक हम ले सकेंगे हम लेंगे । अपने मंत्रालय की डिमांडस पर बहस का जवाब देते हुए मैं ने कहा था कि इस मामले को गहराई से देखा जा रहा है कि हर एक कटेगिरी में कितने लोग लेने हैं । जब इस का हिसाब तयार हो जाएगा तो उस के मुताबिक भविष्य में भर्ती में यह व्यवस्था की जाएगी कि जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण पूरा न हो जाए तब तक सम्बधित कटेगरीज में इन वर्गों के 50 फीसदी लोगों को लिया जाये ।

श्री किशोर लाल : मैं यह जानना चाहता हूं कि ओ ०एन ०जी ०सी ०का एन्टरटेनमेंट पर सलाना कितना खर्चा है ।

श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा । इस के लिए नोटिस की जरुरत है । वैसे इस का इस सवाल से कोई ताल्लुक नहीं है ।

Setting up of a fertilizer plant in Assam

*429. SHRI NIHAR LASKAR: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to set up a fertilizer plant in the State of Assam;

(b) if so, when the final decision is likely to be taken; and

(c) what will be the expenditure involved?

THE MINISTER OF PETROLEUM, AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) to (c). Yes, Sir. It is proposed to set up a fertilizer plant in the State of Assam based on the gas available from oil fields of Oil India Limited and ONGC. Details regarding the location, the size of the plant, etc., are being worked out and a final decision is expected to become available shortly. The cost will be related to the size of the plant and, hence, it is not possible to give an estimate of the cost, at this stage.

SHRI NIHAR LASKAR: This is no doubt a welcome decision, but there are one or two points I want to ask. May I know when this proposal was taken up and why there is so much of delay in coming to a final decision? For sites selection, may I know what procedures you have followed?

SHRI H. N. BAHUGUNA: My difficulty is, I have still to learn the way of replying in relation to the past government as some of my colleagues do. All I can say is, I have processed the matter faster than perhaps expected. The thing is cleared in the sense that we are committed to doing it in this plan period. We have determined the total amount of gas available. We are determined to put up a plant of a particular size to suit the gas availability. The detailed working has to be done and that has been ordered. We are not delaying it a day more than necessary.

SHRI NIHAR LASKAR: What positive procedures have you taken up for the site selection?

SHRI H. N. BAHUGUNA: About the site, in all probability it will be almost the same as the present two plants—one is 600 tonnes and the other 200 tonnes—Namrup.

SHRI BEDABRATA BARUA: This was under consideration during the previous regime also, this is a continuation of what Mr. Malaviya has done. The actual amount of gas that is flared off is very large. I would like to know if the government's instruction is that the project will be such that a

major amount of gas is really used up. If not, may I know whether there are any private applications for licences to use the other gas which is still going waste?

SHRI H. N. BAHUGUNA: The question of giving it to private companies does not arise. We have decided to put up our own plant. All the gas available from different sources will be brought by pipe to Namrup and the plant will be put up at Namrup. The free gas which we have located plus the gas we are flaring does not appear to be more than what will be consumed by 600 tonne capacity plant. I am wishing to put up a 900 tonne plant which is more economic. But the whole gas available does not appear to be presently more than 600 tonnes. Therefore, perhaps only a 600 tonne plant will come up. There is no question of its being given to any private sector company.

डा० बलदेव प्रकाश : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि पंजाब प्रदेश में भटिंडा में एक सल्फर वेस्ट फर्टिलाइजर प्लांट लगाने का सुझाव था, उस के बारे में गवर्नमेंट ने कोई निर्णय लिया है ?

MR. DEPUTY-SPEAKER: It does not arise out of this question.

श्री ब्रजभूषण तिवारी : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि आसाम राज्य में जो यह उर्वरक कारखाना बनाया जा रहा है। वह क्या किसी विदेशी कम्पनी के कोलाबोरेशन में बनेगा या हम अपना खुद बनाएंगे। ?

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा। मान्यवर, उर्वरक करखाना बनाने की टैक्नोलोजी में हमें बहुत हद तक सफलता मिल गई है और हमारा जो इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड है तथा जो हमारा पी एण्ड डी डिपार्टमेंट है रिचर्स का सिन्द्री में इन सब लोगों की शक्ति से हम अपना खुद बना लेंगे। कुछ क्रिटिकल पार्टस के लिए और कुछ प्रोसेस नो हाउ के लिए कभी कभी लाइसेंस बाहर से लेना पड़ता है उतना जरुर करना होगा।

SHRI VAYALAR RAVI: Are you using indigenous technology or entering into foreign collaboration for this?

दिल्ली और बम्बई के बीच रेल गाड़ियां

*430. **श्री राधवजी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य रेलवे पर दिल्ली से बम्बई के बीच कितनी यात्री गाड़ियां हैं और कितने वर्षों से इस संख्या में कोई वृद्धि नहीं की गई है और

(ख) क्या दिल्ली और बम्बई के बीच इस लाइन पर कोई नई यात्री गाड़ी चलाने का कोई प्रस्ताव है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख). बम्बई और दिल्ली के बीच सीधा यातायात पश्चिम रेलवे के मार्ग से होता है जोकि कम दूरी का अधिक तेज और सस्ता है। इस समय इस मार्ग पर गाड़ियों की संख्या बढ़ाकर छः जोड़ी कर दी गयी है। मध्य रेलवे के मार्ग पर बम्बई वी०टी० और दिल्ली के बीच काफी अर्से से केवल दो सीधी गाड़ियां अर्थात 5/6 पंजाब मेल और 57/58 दादर-अमृतसर एक्सप्रेस चल रही है। इन गाडियों से जो यातायात होता था वह अधिकतर मथुरा जंकशन से पहले के स्टेशनों और कानपुर लखनऊ और उसके आगे के स्टेशनों के लिए था। इन दोनों गाड़ियों को डीजल रेल इजनों से चलाने तथा इनके डिब्बों